इस्लामी शब्द (2 का भाग 2)

वविरण: कुछ सबसे आम इस्लामी शब्दों और वाक्यांशों, उनके अर्थ और उनके महत्व की सूची का अगला भाग।
द्वारा Aisha Stacey (© 2014 NewMuslims.com)
प्रकाशति हुआ 08 Nov 2022 - अंतमि बार संशोधति 07 Nov 2022

श्रेणी: पाठ >इस्लामी जीवन शैली, नैतकिता और वयवहार > सामानय नैतकिता और वयवहार

उद्देश्य:

· इन नए और अपरचिति शब्दों को समझना और इसका उपयोग करने मे सहज होना।

अरबी शब्द:

· *?????* - एक ऐसा शब्द जसिका अर्थ है अल्लाह के साथ भागीदारों को जोड़ना, या अल्लाह के अलावा कसिी अन्य को दैवीय बताना, या यह वशि्वास करना कि अल्लाह के सवि कसिी अन्य में शक्तहिै या वो नुकसान या फायदा पहुंचा सकता है।

· *?????* - मुस्लमि समुदाय चाहे वो कसिी भी रंग, जात, भाषा या राष्ट्रीयता का हो।

5. *????????????* । इसे आमतौर पर 'अल्लाह की जय हो' के रूप में अनुवादति कयिा जाता है, लेकनि इसका अधकि सटीक अनुवाद है: 'अल्लाह हर अपूर्णता से दूर है।' यह एक मुहावरा है जसिका इस्तेमाल अल्लाह की महमिा करने के लिए कयिा जाता है।

सुब्हानल्लाह शब्द मे दो शब्द हैं, सुभान और अल्लाह, और इसका अर्थ है जबान या दलि से अल्लाह की महमिा करना, प्रशंसा करना, और गुणगान करना। इसमें यह घोषति करना शामलि है कि अल्लाह में कोई दोष नहीं है और वह कसिी भी अपूर्णता से ऊपर है, कि वह कसिी भी तरह से अपनी रचना के समान नहीं है और वह सभी प्रकार के शरि्क से मुक्त है। सुब्हानल्लाह को वसि्मयादबिोधक के रूप में भी इस्तेमाल कयिा जा सकता है। उदाहरण के लिए, कोई एक सुंदर सूर्यास्त देख कर सुब्हानल्लाह बोल सकता है।

शेख अल-इस्लाम इब्न तैमयिाह ने कहा कि सुब्हानल्लाह कहकर उसकी महमिा करने के आदेश का अर्थ है कि अल्लाह को हर गलती और कमी से ऊपर बताना और पूर्णता के उसके गुणों की पुष्टि करना। आप सुब्हानहु वा त'आला वाक्यांश भी सुन सकते हैं। इसका अर्थ है 'अल्लाह महमिापूर्ण है और महान है'।

6. *??????????*। इसका मतलब है अल्लाह की इच्छा से। इन तीन शब्दों (मा- शा-अल्लाह) को अक्सर एक शब्द कहा जाता है। इस मुहावरे का प्रयोग कसिी चीज या कसिी की प्रशंसा या गुणगान करते समय कयिा जाता है, यह सपष्ट करता है कि सब कुछ अल्लाह से आता है और इसे एक आशीर्वाद मानना चाहएि। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति कहता है, "यह मेरी नवजात बच्ची है", तो आप जवाब देंगे "माशाअल्लाह", या एक पति कहता है, "मेरा बेटा बहुत अच्छा तैराक है" तो आप जवाब देंगे "माशाअल्लाह", जसिका अर्थ है कि अल्लाह ने यही चाहा था, यह उसकी ओर से एक आशीर्वाद है।

7. *???? ?????? ???*। इसका अर्थ है, अल्लाह आपको अच्छा इनाम दे। यह धन्यवाद या कृतज्ञता की

अभिव्यक्ति है। यह धन्यवाद के लिए अरबी शब्द (शुक्रिया) की तुलना में धन्यवाद व्यक्त करने का एक बेहतर तरीका माना जाता है। सबसे अच्छा धन्यवाद अल्लाह से उस व्यक्ति के लिए पुरुस्कार का अनुरोध करना है जिसके प्रति आप आभारी हैं।

पुल्लिंग: जज़ाक अल्लाह खैर

स्त्रीलिंग: जज़ाकी अल्लाह खै़र

बहुवचन: जजाकुम अल्लाह खैर

पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "**किसी व्यक्ति पर किसी ने कोई एहसान किया, और उसने एहसान करने वाले को कहा, 'जज़ाक अल्लाह खैर,' तो मानो उसने उसे धन्यवाद से बढ़कर कहा।**" जजाक अरबी मूल जजा से आया है और इसका अर्थ है लौटाना या किसी को वो देना जिससे कोई असंतोष न हो। इस प्रकार हम व्यक्त कर रहे हैं कि अल्लाह से मिलने वाले इनाम से बेहतर कोई इनाम या धन्यवाद नहीं है। आपने अक्सर जवाब सुना होगा " व इयाकुम" - जिसका अर्थ है 'अल्लाह आपको भी पुरुस्कार दे।' या आप बराक अल्लाह फीकुम का जवाब भी सुन सकते हैं।

8. *[illegible]*। इसका मतलब है, अल्लाह आपको आशीर्वाद दे। और यह धन्यवाद का एक वैकल्पिक शब्द है, जजाक अल्लाह खैर की तरह। इसे जजाक अल्लाह खैर के जवाब के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। महिला को बराक अल्लाह फीकी या लोगों के समूह को बराक अल्लाह फिकुम कहेंगे। बरकत अरबी शब्द है जिसका अर्थ है आशीर्वाद। बरकत एक ऐसी स्थिति है जो अल्लाह की स्वीकृति और उन लोगों पर आशीर्वाद का संकेत देती है जो उसकी आज्ञाओं को स्थापित करने का प्रयास करते हैं। यदि अल्लाह किसी व्यक्ति को अपनी बरकत देता है तो इसका परिणाम बेहतरी और दैवीय सुरक्षा की स्थिति में होता है।

9. *[illegible]*। आप यह वाक्यांश हर बार पैगंबर मुहम्मद के नाम का उल्लेख होने के बाद सुनते होंगे। इसका आमतौर पर अनुवाद किया जाता है, 'उन पर अल्लाह की शांति और आशीर्वाद हो' और इसे अक्सर लिखित रूप में सल्ल0 या अंग्रेजी पीबीयुएच में संक्षिप्त किया जाता है। वास्तव में, एक अधिक सटीक अनुवाद होगा 'अल्लाह पैगंबर मुहम्मद के उल्लेख की प्रशंसा करे और उन्हें सभी बुराईयों से बचाए।'

"अल्लाह तथा उसके स्वर्गदूत आशीर्वाद भेजते है पैगंबर पर। ऐ विश्वासियों! उनपर आशीर्वाद तथा बहुत सलाम भेजो" (क़ुरआन 33:56)। पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "**अल्लाह के स्वर्गदूत पृथ्वी पर घूमते है, और मुझे मेरी उम्मत का सलाम बताते है।"**

10. *[illegible]* अल्लाह की स्तुति करने का एक तरीका है और अक्सर अल्लाह का नाम कहने के बाद इसे बोलै जाता है। अज्ज शब्द इज़ाह से लिया गया है जिसका अर्थ है शक्ति और ताकत और जल शब्द अल-जलाल से लिया गया है जिसका अर्थ है महानता और श्रद्धा। इसलिए, अज्ज़ व जल शब्द अल्लाह का एक गुण है जिसका अर्थ है कि वह महानता और सम्मान का सबसे शक्तिशाली मालिक है, वह जो कभी पराजित नहीं होता।

11. *[illegible]* का अर्थ है, मैं अल्लाह से क्षमा मांगता हूं। अल्लाह से माफ़ी मांगने की क्रिया को इस्तग़िफ़ार करना कहते हैं। आपने अक्सर एक व्यक्ति को शांति से शब्द दोहराते हुए सुना होगा, अस्तग़्फ़िरुल्लाह, अस्तग़्फ़िरुल्लाह... तो आप समझ सकते हैं कि वे इस्तग़िफ़ार कर रहे हैं। नमाज़ पढ़ने के बाद पैगंबर मुहम्मद कहते थे, "*[illegible], [illegible], [illegible]*" (मैं अल्लाह से क्षमा मांगता हूं, मैं अल्लाह से क्षमा मांगता हूं, मैं अल्लाह से क्षमा मांगता हूं)। क्षमा मांगना बहुत ही लाभकारी कार्य है।

> **"(ऐ नबी!) आप मेरे भक्तों को सूचित कर दें कि वास्तव में, मैं बड़ा क्षमाशील दयावान् हूं।" (क़ुरआन 15:49)**
>
> **"अत:, सीधे हो जाओ उसी की ओर तथा क्षमा मांगो उससे" (क़ुरआन 41:6)**

12. *[illegible]* एक इस्लामी वाक्य है जिसका अर्थ है, ईश्वर बड़ा है। या अल्लाह से बड़ा कोई नहीं है। यह एक अभिव्यक्ति है जो किसी भी दिन और विशेष अवसरों के लिए विभिन्न समय पर प्रयोग की जाती है। इसका

उपयोग नमाज़ के लिए पुकारने के समय, नमाज़ पढ़ते समय, जब कोई व्यक्ति खुश होता है, जब कोई व्यक्ति जो कुछ सुनता या देखता है उसके लिए अपनी स्वीकृति व्यक्त करना चाहता है, जब किसी जानवर का वध किया जाता है, एक वक्ता की प्रशंसा करने के लिए, या उत्साह व्यक्त करने के लिए किया जाता है। कभी-कभी आप एक व्यक्ति को जोर से तकबीर कहते हुए सुन सकते हैं और एक समूह या मण्डली जोर से अल्लाहु अकबर कहकर जवाब देती है। तकबीर अरबी अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है, कहो अल्लाहु अकबर।

इस लेख का वेब पता:
http://www.newmuslims.com/hi/lessons/270

कॉपीराइट © 2011-2022 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।

ajsultan